खत्म करो । लेकिन इसका भरोसा नहीं है ।... (**व्यवधान**) ... आप कोई कार्यक्रम नहीं बनाते हैं । सिद्धान्त पर उठकर सामाजिक और आर्थिक कार्यक्रम बनाओ, पिछड़े वर्ग के लोगों को विशेष अवसर और समान अवसर दो, उसमें योग्यता की कसौटी नहीं बल्कि अवसर की कसौटी बनाओ तो फिर बनेगा देश, बनेगा समाज और मिटेंगे ढोंग लेकिन यह इस बातचीत से नहीं होगा ।

15.38 hrs.

DRUGS AND MAGIC REMEDIES (OBJECTIONABLE ADVERTISEMENTS) AMENDMENT BILL*

(*Amendment of Section* 2)

श्री यशपाल सिंह (देहरादून) : मैं प्रस्ताव करता हूं कि भेषज तथा चमत्कारी उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954, में आगे संशोधन करने वाले विधेयक को पेश करने की अनुमति दी जाए ।

MR. CHAIRMAN : The question is :

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Act, 1954."

The motion was adopted.

श्री यशपाल सिंह : मैं विधेयक पेश करता हूं ।

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(*Amendment of Article* 83 *and substitution of Fourth Schedule*)

श्री यशपाल सिंह (देहरादून) : मैं प्रस्ताव करता हूं कि भारत के संविधान में आगे संशोधन करने वाले विधेयक को पेश करने की अनुमति दी जाए ।

MR. CHAIRMAN : The question is :

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India".

The motion was adopted.

श्री यशपाल सिंह : मैं विधेयक पेश करता हूं ।

MR. CHAIRMAN : Shri Umanath. Absent. Shri Salve. Absent.

15.40 hrs.

PUBLIC UNDERTAKINGS (COMPULSORY APPROVAL OF AGREEMENTS) BILL—*Contd.*

MR. CHAIRMAN : We now take up further consideration of the following motion moved by Shri S. S. Kothari on the 22nd August, 1968:—

"That the Bill to provide for compulsory scrutiny and approval by a Central Authority of agreements entered into by public undertakings and matters connected therewith or incidental thereto, be taken into consideration."

बहुत से लोग बोलने वाले हैं । मैं यह रिक्वेस्ट करूंगा कि माननीय सदस्य जितना कम समय लें उतना अच्छा है ।

श्री कंवरलाल गुप्त (दिल्ली सदर) : इस बिल पर कितना समय था और कितना हो गया ? इस पर कितने बोलने वाले हैं ?

सभापति महोदय : इसके लिए एक घंटा रक्खा गया था, लेकिन 2 घंटे 29 मिनट आलरेडी हो चुके हैं ।

SHRI RANDHIR SINGH (Rohtak) : Shri Kanwar Lal Gupta's Bill is very important and we want to speak on it. This Bill should take hardly 10 or 15 minutes more, and the Minister should reply.

सभापति महोदय : इस पर 17 लोग बोल चुके हैं और 4 और बोलने वाले हैं ।

श्री कंवरलाल गुप्त : आप समय बतला दीजिये, मैं उस वक्त हाजिर हो जाऊंगा ।

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 2, dated 5-12-69.